रात्री क्लास ओम्शान्ति 16-7-67

बाबा ने सुबह को समझाया था कि गीता के भगवान वाला जो चित्र है वह बहुत जरूरी है। वह अखबारों में भी जाना चाहिए। एरोप्लेन से भी गिराना चाहिए। और पतित पावन शिव परमात्मा है न कि पानी की गंगा। दूसरा भी चित्र शिव और शंकर अलग है, वह निराकार है', वह आकारी है। इसमें भी मुख्य गीता पर मदार है। भारत में गीता पढ़ते2 पतित बने है। बाप आए पावन बनाते हैं। कहते हैं तमोप्रधान से सतोप्रधान बनने के लिए पतित पावन बाप को याद करने से पावन बन जावेंगे। बाप राज योग भी सिखलाते हैं। ऐसे2 चित्र अच्छी बनानी चाहिए। और फिर यह भी समझाना है ज्ञान भक्ति फिर है वैराग्य। ज्ञान का सागर है शिव। उनकी सारी महिमा भी दिखाते हैं। भक्ति में ज्ञान नहीं। शास्त्र आद पढ़ना भक्ति मार्ग हैं। वह भी शार्ट में समझाना है। योग की भी युक्ति। बाप जो ज्ञान का सागर है वह कहते है मुझे याद करो तो पाप नास हो जावेंगे। तुम सदगति को पावेंगे। सर्व का सदगति दाता एक ही है। सदगति संगम पर ही होती है। तो जरूर सभी दुर्गति में हैं। सदगति दाता है ही एक जो संगम पर आए सभी का सदगति करते है। नई दुनिया में है ही सदगति। एक ही धर्म है। यह अच्छी रीत बुधि में रखना है। अखबारे तो बहुत निकलती है समझानेवाला भी बड़ा अच्छा है। इनसे बहुतों का कल्याण होना है। ऐसे2 विचार कर और फिर लिखना चाहिए। लिखेंगें फिर करेक्ट करेंगें। सेमीनार भी कर रहे हैं सर्विस को बढ़ाने लिए। बाप भी बहुत राय देते रहेंगे। ऐसे युक्ति से कदम उठाए गीता का भगवान शिव है न कि कृष्ण। यह बड़ा युक्ति से लिखो। नम्बरवन बात यह है। पतित पावन बाप है। सर्व का सदगति दाता एक शिव है। गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। यह सब अच्छी रीत धारण करना है। यह है तन्त। फिर तुमको भाषण आद करनी है। तुमको बुलावेंगे। ऐसे2 मौके आते हैं। परन्तु तैयार न होने कारण बग्रम बोल देते है। युक्ति युक्त सर्विस नहीं होती। यह प्वायन्टस बहुत मुख्य अच्छी है। नम्बरवन है गीता की बात। बाप कहते हैं साधुओं का भी उधार मैं करता हूं। जो सर्विस पर निश्चय बुधि हैं जानते हैं बरोबर दुनिया बदलनी है। ऐसे2 विचार कर लिखो। फिर बाबा को भेजो तो बाबा करेक्ट करेंगे यह सब राय सेमिनार में भी जाय। बाबा प्वाएन्टस सुनाते बहुत हैं। बच्चों के पास भी प्वाएन्ट नोट होंगी। ज्ञान आधा कल्प भक्ति आधा कल्प फिर है वैराग्य। बाप कहते हैं मामेकं याद करो। सब की बाण प्रस्त अवस्था है। इसलिए मामेकं याद करो। मेहनत कर लिख कर आओ। महारथी ही लिखेंगे। तो बाबा भी समझे महारथी है। देही अभिमानी बनने का पुरुषार्थ करते हैं। याद का जोहर जरूर चाहिए। बाप से तुम शक्ति लेते हो ना। इस लिए गाये हुए हो शिव शक्ति सेना। बाप तो सावधान करेंगे ना। भल जानते है ड्रामा अनुसार जैसे कल्प पहले पुरुषार्थ चला था, वह ही चलेंगा। बच्चों को बड़ी मेहनत करनी है। लिखत जिनके आवेंगे तो बाबा मुरली में सुनावेंगे। फलाने2 ने कुछ नहीं लिख भेजा। सिध होता है गपोड़े मारते रहते हैं। बाबा देखेंगे कौन विचार सागर मथन करते है। कौन टाइम वेस्ट करते है। एक बात में तुम ने विजय पाई तो सारी दुनिया में नाम हो जावेंगा। चक्रित हो जावेंगे। दुनिया बदल रही है बाप जरूर होंगा। तुम बच्चों में भी बहुत थोड़े हैं जो जानते होगे। कचहरी में कोई झूठ भी बोलते होंगे। सच न बोलने से बिमारी बढ़ती जावेंगी। ओम।

प्वाएन्ट— कुमारी शादी से पहले पवित्र है तो पूज्य है। फिर शादी कर अपवित्र बनती है तो पुजारी बन जाती। यहां सब है ही पुजारी। सतयुग में सब होते हैं पूज्य। बच्चों को सब समझानी मिलती रहती है। कुछ भी तुफान आए तो बाप की याद में महिमा करने बैठ जाओ। बैठने से बड़ी खुशी होती है। प्रैक्टिस है ना। सुबह को बहुत अच्छा है। वह असर दिन को भी रहेंगा। हमको बाप पढ़ाते हैं। हम पढ़ कर नर से नारायण बनते हैं। बच्चियां बड़ा इमतहान पास करती हैतो खुश होती है ना। तुमको तो बहुत खुशी होनी चाहिए। हमको बाप भगवान पढ़ाते हैं। शास्त्रों में भी है राजयोग सिखाया था। कल्प कल्प हम सिखते हैं। कोई नई बात नहीं। यह खेल सारा बना हुआ है। कलियुग के बाद सतयुग होंगा। चक्र फिरता रहता है। ओम।